खबरों में रहे स्टॉक

लॉरस लैब्स

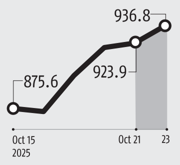

वित्त वर्ष 26 की दूसरी तिमाही में शुद्ध लाभ सालाना आधार पर लगभग 10 गुना बढ़ा

₹ **923.9** पिछला बंद भाव
₹ **936.8** आज का बंद भाव
1.4 % ▲

वर्धमान टेक्सटाइल्स

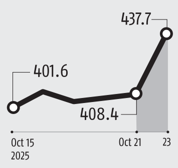

दूसरी तिमाही के दौरान शुद्ध लाभ पिछले साल की तुलना में 5 प्रतिशत लुढ़का

₹ **408.4** पिछला बंद भाव
₹ **437.7** आज का बंद भाव
7.2 % ▲

कैप्लिन पॉइंट लैबोरेटरीज

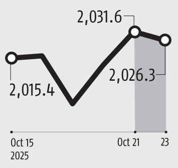

निकार्डिपाइन हाइड्रो क्लोराइड इंजेक्शन के लिए यूएसएफडीए की मंजूरी

₹ **2,031.6** पिछला बंद भाव
₹ **2,026.3** आज का बंद भाव
-0.3 % ▼

पीटीसी इंडस्ट्रीज

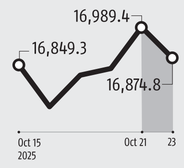

सिंगल क्रिस्टल रेडी-टु-फिट टर्बाइन ब्लेड के लिए जीटीआरई से मिला ऑर्डर

₹ **16,989.4** पिछला बंद भाव
₹ **16,874.8** आज का बंद भाव
-0.7 % ▼

चॉइस इंटरनैशनल

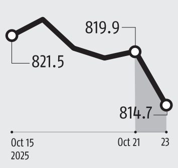

विभिन्न अधिग्रहणों के जरिये धन प्रबंधन श्रेणी में किया विस्तार

₹ **819.9** पिछला बंद भाव
₹ **814.7** आज का बंद भाव
-0.6 % ▼

संक्षेप में

रियल एस्टेट क्षेत्र ने जुटाई सर्वाधिक पूंजी

देश के रियल एस्टेट क्षेत्र द्वारा जुटाई गई पूंजी वित्त वर्ष 25 में 23,080 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गई है। यह रकम सात साल का सबसे ऊंचा स्तर है। इस क्षेत्र में वर्ष के दौरान 12 सौदे दर्ज किए गए। इक्विरस कैपिटल ने यह जानकारी दी है। मुंबई की निवेश बैंकिंग कंपनी ने कहा कि वित्त वर्ष 18 से इस श्रेणी में जुटाई गई कुल राशि 72,331 करोड़ रुपये तक पहुंच चुकी है। इसमें सबसे आगे रीट्स (31,241 करोड़ रुपये) हैं। इसके बाद लार्ज-कैप रियल्टी कंपनियां (20,437 करोड़ रुपये), मिड-कैप कंपनियां (12,496 करोड़ रुपये) तथा स्मॉल-कैप कंपनियां (8,156 करोड़ रुपये) हैं। रिपोर्ट के अनुसार मार्च 2021 से स्मॉल-कैप रियल एस्टेट के शेयर सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाली श्रेणी रही है। उसके बाद मिड-कैप शेयरों का स्थान है। इसके विपरीत लार्ज-कैप रियल्टी शेयरों ने मिड-कैप और स्मॉल-कैप दोनों ही प्रतिस्पर्धियों की तुलना में कमजोर प्रदर्शन किया है। *बीएस*

इलाई लिली और सिप्ला ने किया समझौता

इलाई लिली और सिप्ला ने गुरुवार को भारत में अपने दूसरे ब्रांड युरपीक के तहत टिरजेपेटाइड के वितरण और प्रचार के लिए समझौता किया। इस कदम का उद्देश्य उन शहरों से आगे भी इस दवा की पहुंच को बढ़ाना है, जहां लिली की पहले से ही उपस्थिति है। इस समझौते के तहत सिप्ला युरपीक के वितरण और प्रचार का काम संभालेगी, जबकि लिली दवा का निर्माण और आपूर्ति जारी रखेगी। युरपीक की कीमत लिली के मौजूदा ब्रांड मॉनजारो के समान होगी, जिसे मार्च 2025 में भारत में पेश किया गया था। इस सहयोग का उद्देश्य शहरी और अर्ध-शहरी बाजारों में टिरजेपेटाइड की पहुंच बढ़ाना और उन रोगियों तक पहुंचाना है जिनकी लिली के वर्तमान वितरण नेटवर्क तक पहुंच शायद सीमित रह गई हो। *बीएस*

बायोकॉन बायोलॉजिक्स को हेल्थ कनाडा की मंजूरी

बायोकॉन की सहायक बायोकॉन बायोलॉजिक्स (बीबीएल) को यसइंटेक (उस्टेकिनुमाब इंजेक्शन) और यसइंटेक आईवी (इंजेक्शन के लिए उस्टेकिनुमाब, इंटरवेनस इन्फ्यूजन के लिए सॉल्यूशन) के लिए हेल्थ कनाडा की मंजूरी मिल गई है। ये स्टेलारा और स्टेलारा आईवी की बायोसिमिलर हैं। अनुपालन सूचना 17 अक्टूबर, 2025 को दी गई, जिससे अक्टूबर के मध्य से कनाडा में व्यावसायिक रूप से उपलब्ध होने की अनुमति मिल गई। वयस्कों और बाल रोगियों (6-17 वर्ष) में मध्य से गंभीर प्लाक सोरायसिस, वयस्कों में सक्रिय सोरायटिक गठिया और वयस्कों में मध्यम से गंभीर रूप से सक्रिय क्रोहन रोग और अल्सरेटिव कोलाइटिस के लिए इन बायोसिमिलर का सुझाव दिया जाता है। *बीएस*

आज से परिचालन शुरू करेगा वजीरएक्स

अजिंक्य कावले
मुंबई, 23 अक्टूबर

क्रिप्टो एक्सचेंज प्लेटफॉर्म वजीरएक्स ने गुरुवार को कहा कि 24 अक्टूबर से उसके प्लेटफॉर्म पर ट्रेडिंग फिर से शुरू हो जाएगी। इस तरह से सुरक्षा सेंध के कारण 23 करोड़ डॉलर का नुकसान झेलने के एक साल से अधिक समय बाद उसका प्रभावी रूप से दुबारा परिचालन शुरू हो जाएगा। इससे पहले सिंगापुर उच्च न्यायालय ने अक्टूबर में प्लेटफॉर्म के यूजर्स को बड़ी राहत देते हुए इसकी व्यवस्था की योजना को आधिकारिक तौर पर मंजूरी दे दी थी।

कंपनी ने कहा कि टोकन 24 अक्टूबर से शुरू होंगे और चार दिन में चरणबद्ध तरीके से व्यापार के लिए तैयार हो जाएंगे। 27 अक्टूबर तक ये पूरी तरह सक्रिय हो जाएंगे। इसमें कहा गया है कि यूजर्स से ट्रेडिंग पर पहले 30 दिनों तक कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा।

वजीरएक्स के संस्थापक निश्चल शेट्टी ने कहा, वैश्विक क्रिप्टो तंत्र में संपत्ति की सुरक्षा वर्तमान में एक अहम पहलू है। बिटगो संग हमारी साझेदारी से विश्व स्तरीय कस्टडी मानकों के साथ विश्वास और सुरक्षा की एक अतिरिक्त परत जुड़ गई है।

वजीरएक्स अपने प्लेटफॉर्म पर चरणबद्ध तरीके से ट्रेडिंग दोबारा शुरू कर रहा है, जिसका मकसद तरलता को सुरक्षित रूप से बहाल करना, तकनीकी स्थिरता की पुष्टि करना तथा सभी मार्केट पेयर्स में सामान्य ट्रेडिंग की ओर क्रमिक एवं विश्वसनीय वापसी सुनिश्चित करना है।

एक ब्लॉग में कहा गया है, 24 अक्टूबर से शुरू होकर चार दिनों में धीरे-धीरे ट्रेडिंग बहाल की जाएगी। हर दिन सभी टोकन का करीब 25 फीसदी ट्रेडिंग के लिए सक्षम किया जाएगा, जब तक कि प्लेटफॉर्म 27 अक्टूबर तक पूरी तरह काम नहीं करने लगे।

पहले चार दिनों के लिए सभी टोकन यूएसडीटी बाजार में ट्रेडिंग के लिए उपलब्ध रहेंगे। शुरुआत में बाज़ार में केवल यूएसडीटी/आईएनआर में ही कारोबरा हो सकेगा। प्लेटफॉर्म के पूर्ण रूप से काम करने लगने के बाद अन्य रुपया ट्रेडिंग युग्म धीरे-धीरे चालू किए जाएंगे और उसी हिसाब से अलग से घोषणाएं की जाएंगी। वजीरएक्स के कुल 43 लाख लेनदार हैं जो निवेशक और यूजर्स हैं और जिन पर साइबर हमले का असर आया था।

तीसरी तिमाही में भारत में वेंचर फंडिंग धीमी रही

पीरजादा अबरार
बेंगलूरु, 23 अक्टूबर

केपीएमजी प्राइवेट एंटरप्राइज की वेंचर पल्स के अनुसार भू-राजनीतिक अनिश्चितता के बीच 2025 की तीसरी तिमाही में भारत में वेंचर फंडिंग धीमी रही, हालांकि निकासी गतिविधि सात साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। यह रिपोर्ट दुनिया भर के प्रमुख क्षेत्रों में वैश्विक स्तर पर निवेश के रुझानों पर आधारित है। निवेशक सतर्क रहे, लेकिन आईपीओ-संचालित निकासी से उत्साह बढ़ा और उत्साह बना रहा।

वैश्विक स्तर पर उद्यम पूंजी (वीसी) निवेश 2025 की दूसरी तिमाही के 112 अरब डॉलर से बढ़कर 2025 की तीसरी तिमाही में 120 अरब डॉलर हो गया, जो मजबूत निकासी सौदों और एआई पर लगातार ध्यान केंद्रित करने के कारण संभव हुआ।

भारत में केपीएमजी के पार्टनर और प्राइवेट इक्विटी के नेशनल लीडर नितीश पोद्दार ने कहा, 'इस तिमाही में भारत में वीसी निवेश के परिणाम अमेरिकी टैरिफ के कारण आई रुकावट से प्रेरित थे, लेकिन लोगों को उम्मीद है कि नवंबर के अंत तक यह समस्या दूर हो जाएगी।'

भारत में दिलचस्पी अभी भी मजबूत बनी हुई है, लेकिन वीसी निवेशकों के लिए यह अनुमान लगाना मुश्किल हो रहा है कि दिन-प्रतिदिन क्या होगा, जिसके कारण वे कोई भी बड़ा फंडिंग निर्णय लेने से बच रहे हैं। वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में वीसी निवेश में नरमी के बावजूद, स्टार्टअप्स से बाहर निकलने की गतिविधियों में वृद्धि को देखते हुए (खासकर आईपीओ से बाहर निकलने के मामले में) बाजार में आशावाद बना रहा। इस तिमाही के दौरान, आईपीओ गतिविधियां पिछली तिमाहियों की तुलना में काफी हद तक मजबूत रहीं।

भारत के मजबूत वृहद आर्थिक और संपन्न पूंजी बाजार को देखते हुए, अगर व्यापार संबंधी अनिश्चितताएं दूर हो जाती हैं, तो उम्मीद है कि वेंचर कैपिटल निवेश में फिर उछाल आएगा। भारत में अगली कुछ तिमाहियों में आईपीओ गतिविधियों में भी तेजी आने की उम्मीद है।

2025 की तीसरी तिमाही में 85.1 अरब डॉलर के वीसी निवेश के साथ अमेरिका सबसे आगे रहा, जबकि एशिया में 16.8 अरब डॉलर का मामूली निवेश हुआ। एआई मॉडल विकास और अनुप्रयोगों के लिए महत्त्वपूर्ण फंडिंग राउंड के साथ एआई ने वीसी गतिविधि में अपना दबदबा बनाए रखा। अमेरिकी क्षेत्र में में अधिकांश वीसी निवेश अमेरिका से आया, जबकि यूरोप में ठोस वृद्धि देखी गई। आईपीओ गतिविधि में तेजी की वजह से वैश्विक निकासी मूल्य बढ़कर 149.9 अरब डॉलर हो गया, जो 2021 की चौथी तिमाही के बाद से सबसे अधिक है। 2025 की चौथी तिमाही को देखते हुए, वैश्विक वीसी निवेश स्थिर रहने की उम्मीद है, जिसमें एआई का दबदबा बना रहेगा। रोबोटिक्स और रक्षा तकनीक भी फोकस क्षेत्र बने रहेंगे।

बालाजी वेफर्स की दौड़ में केदारा कैपिटल और जनरल अटलांटिक

शार्लीन डिसूजा और देव चटर्जी
मुंबई, 23 अक्टूबर

गुजरात की बालाजी वेफर्स अपनी हिस्सेदारी बेचने के अंतिम चरण में है। एक जानकार सूत्र के अनुसार केदारा कैपिटल और जनरल अटलांटिक इस कंपनी में 6-7 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने की दौड़ में सबसे आगे हैं। इस तरह कंपनी का मूल्यांकन लगभग 35,000 करोड़ रुपये से 40,000 करोड़ रुपये के बीच बैठ रहा है।

पैकेज्ड फूड्स की प्रमुख कंपनी ने पहले 10 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने का इरादा किया था। पिछले महीने कम से कम 10 निजी इक्विटी फर्मों के साथ उसकी बातचीत चल रही थी जिनमें अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी (एडीआईए), केकेआर ऐंड कंपनी, बेन ऐंड कंपनी, कार्लाइल, टीपीजी आदि शामिल थीं। जनरल अटलांटिक ने इस मामले में टिप्पणी से इनकार कर दिया जबकि केदारा कैपिटल ने भी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। वीरानी बंधु - चंदूभाई, भीखूभाई और कनुभाई (जिन्होंने कंपनी की स्थापना की और जिनका इस पर नियंत्रण है) भारत में विस्तार के लिए आंशिक हिस्सेदारी बेचने पर विचार कर रहे हैं। एक सूत्र ने पहले कहा था कि हल्दीराम के हालिया सौदे ने स्नैक्स श्रेणी में एक मानक स्थापित किया है, जिससे बालाजी के प्रमोटर नकदी जुटाने की संभावना तलाश रहे हैं। उद्योग के अधिकारियों ने कहा कि 22 सितंबर से हुए जीएसटी बदलाव के बाद कंपनियों को अपनी बिक्री कमाई में वृद्धि की उम्मीद है।

इस वर्ष मार्च में हल्दीराम ने इंटरनैशनल होल्डिंग कंपनी, अल्फा वेव ग्लोबल और सिंगापुर की सरकारी निवेश फर्म टेमासेक को 10 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचकर 1 अरब डॉलर जुटाए थे। सूत्र ने कहा, 'परिवार द्वारा संचालित कंपनी अपने विकास के अगले चरण को आगे बढ़ाने के लिए पेशेवर लाने पर भी विचार कर रही है।' राजकोट मुख्यालय वाली बालाजी वेफर्स, बालाजी ब्रांड के तहत चिप्स, नमकीन और कन्फेक्शनरी बनाती है और पश्चिमी और मध्य भारत में उसकी मजबूत उपस्थिति है।

कोलगेट पामोलिव इंडिया का लाभ 17 प्रतिशत घटा

बीएस संवाददाता
मुंबई, 23 अक्टूबर

सितंबर में समाप्त हुई तिमाही के दौरान कोलगेट पामोलिव इंडिया के शुद्ध लाभ में 17.1 प्रतिशत की गिरावट आई। जीएसटी दरों में बदलाव की वजह से विभिन्न चैनलों के वितरकों और खुदरा विक्रेताओं के यहां हुई अस्थायी रुकावट की वजह से यह गिरावट आई है। ओरल केयर क्षेत्र की इस प्रमुख कंपनी का राजस्व पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 6.3 प्रतिशत घटकर 1,507.2 करोड़ रुपये रह गया और इसका शुद्ध लाभ 327.5 करोड़ रुपये रहा। जुलाई-सितंबर तिमाही के दौरान ब्याज, मूल्यह्रास और कराधान से पहले का इसका लाभ 16.2 प्रतिशत घटकर 480.5 करोड़ रुपये रह गया।

कोलगेट पामोलिव (इंडिया) की प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्य अधिकारी प्रभा नरसिम्हन ने आय परिणाम संबंधी अपनी विज्ञप्ति में कहा, 'इस तिमाही के दौरान हमारे संपूर्ण ओरल केयर पोर्टफोलियो पर जीएसटी दरें 18 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दी गईं। हम सरकार के इस कदम का स्वागत करते हैं, क्योंकि यह उपभोक्ताओं का विश्वास बढ़ाने और ओरल स्वास्थ्य को बढ़ती प्राथमिकता के रूप में मान्यता देने की दिशा में समय पर उठाया गया कदम है। हमने प्रभावी तिथि से उपभोक्ताओं को कम कीमतें उपलब्ध कराने के लिए अपने सभी ग्राहकों के साथ मिलकर काम किया है।' उन्होंने यह भी कहा कि हालांकि कंपनी लगातार परिचालन के मुश्किल माहौल से गुजर रही है, लेकिन दूसरी तिमाही का उसका प्रदर्शन जीएसटी दर संशोधन के कारण विभिन्न चैनलों के वितरकों और खुदरा विक्रेताओं के यहां आए अस्थायी व्यवधान को भी दर्शाता है।

उन्होंने कहा, 'पहली छमाही का हमारा प्रदर्शन इस आधार अवधि में दो अंकों की शुद्ध बिक्री वृद्धि के अधिक आधार को दर्शाता है और हमें दूसरी छमाही में प्रदर्शन में लगातार सुधार की उम्मीद है।' उन्होंने कहा, 'अपने फंडिंग द ग्रोथ कार्यक्रम के क्रियान्वयन पर जोरदार रूप से ध्यान केंद्रित करने के कारण हमारा मार्जिन प्रोफाइज मजबूत बना हुआ है। राजस्व संबंधी चुनौतियों के बावजूद हम अपने दीर्घकालिक रणनीतिक लक्ष्यों के प्रति प्रतिबद्ध हैं और ब्रांड निवेश को प्राथमिकता देते रहेंगे।'

Garment Mantra Lifestyle Limited

Registered Office: No.15, Murthy's Plaza, Kariagounder street, Khaderpet, Tirupur – 641601, Tamil Nadu, India
Contact person: Mrs. Lakshmi Priya. K, Company Secretary & Compliance Officer
Telephone: +91 422 4333896 | **E-mail id:** accounts@junctionfabrics.in
Website: www.garmentmantra.com | **Corporate Identity Number:** L18101TZ2011PLC017586

NOTICE FOR RECORD DATE FOR SECOND AND FINAL CALL ON PARTLY PAID-UP RIGHTS EQUITY SHARES OF THE COMPANY

The Rights Issue Committee of the Board of Directors of the Company ("the **Committee**") at its meeting held on Saturday, October 18, 2025, has approved making of the Second and final call on partly paid-up equity shares of ₹ 0.60 per share (comprising ₹ 0.50 towards paid-up per share and ₹ 0.10 towards premium), on 39,14,97,795 outstanding partly paid-up equity shares of face value of ₹ 1 each, issued by the Company on a rights basis, pursuant to the Letter of Offer dated April 09, 2025.

The Committee has fixed Friday, October 31, 2025 as the Record Date for the purpose of ascertaining the holders of partly paid-up equity shares to whom the second call notice would be sent. The intimation of the said Record date has also been disseminated to BSE Limited where the equity shares of the Company are listed.

Further details in relation to the First Call and Second & Final call, will be included in the Second Call notice which will be dispatched to the eligible shareholders in due course.

This notice is hereby given in terms of applicable provisions of Companies Act, 2013 and Securities and Exchange Board of India (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015.

For Garment Mantra Lifestyle Limited
Lakshmi Priya. K
Company Secretary and Compliance Officer

Date : 23.10.2025
Place : Tirupur

अधिक जोखिम वाले सॉल्वैंट की होगी डिजिटल निगरानी

विषाक्त डाइएथिलीन ग्लाइकॉल (डीईजी) से दूषित कफ सिरप से कम से कम 24 बच्चों की मौत के बाद केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) सक्रिय हुआ है। उसने अधिक जोखिम वाले सॉल्वैंट की आपूर्ति और गुणवत्ता की निगरानी के लिए नई प्रणाली की घोषणा की है।

नियामक ने दवा निर्माण में इस्तेमाल सॉल्वैंट की आपूर्ति श्रृंखला और गुणवत्ता पर नजर रखने के लिए ओएनडीएलएस पोर्टल पर डिजिटल निगरानी प्रणाली शुरू की है। यह कदम कफ सिरप, विशेष रूप से बच्चों के इलाज में उपयोग वाली सिरप में डीईजी के संक्रमण की हालिया खबरों के बाद उठाया गया है। इसकी वजह दवा सुरक्षा के संबंध में बढ़ती चिंताएं हैं। इसके तहत सभी राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों के औषधि नियंत्रकों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है कि प्रोपिलीन ग्लाइकॉल, ग्लिसरीन, माल्टिटोल, सॉर्बिटोल, पॉलीएथिलीन ग्लाइकॉल जैसे फार्मास्युटिकल-ग्रेड वाले सॉल्वैंट के विनिर्माता ओएनडीएलएस पोर्टल के जरिये विनिर्माण लाइसेंस प्राप्त करें। मौजूदा लाइसेंस रखने वाले विनिर्माताओं को पोर्टल पर पंजीकरण कराना होगा और बैच-लेवल का विवरण देना होगा, विश्लेषण प्रमाणपत्र (सीओए) तथा विक्रेता की जानकारी देनी होगी। यह पोर्टल नियामकों को अधिक जोखिम वाले सॉल्वैंट के उत्पादन, बिक्री तथा वितरण की तत्काल निगरानी में सक्षम करेगा। राज्यों से इन उपायों को सख्ती से लागू करने को कहा गया है, जिसमें विनिर्माण से पहले सॉल्वैंट की जांच, निरीक्षण के दौरान अनुपालन की निगरानी और विनिर्माताओं को उत्पादन की सुरक्षित कार्यप्रणाली के बारे में जागरूक करना शामिल है। *बीएस*

pnb Housing Finance Limited Ghar Ki Baat

परिशिष्ट-IV-A-अचल संपत्तियों की बिक्री हेतु ई-नीलामी-सार्वजनिक सूचना

वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनगर्नमाण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत, प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) के प्रावधान के साथ पठित अचल परिसंपत्तियों की बिक्री के लिए ई-नीलामी-बिक्री सूचना

पंजीकृत कार्यालयः- 9वां तल, अंतरिक्ष भवन, 22 कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली-110001, फोनः-011-23357171, 23357172, 23705414, वेबः www.pnbhousing.com

शाखा कार्यालयः टाटानगर : बधानी ट्रेड सेंटर, तृतीय तल, आर. रोड, बिष्टुपुर, जमशेदपुर-831001, झारखंड

आम जनता को तथा विशेष रूप से कॉलम संख्या-ए में दर्शाए गए उधारकर्ता(ओं) एवं गारंटर(ओं) को सूचित किया जाता है कि कॉलम संख्या-डी में वर्णित नीचे वर्णित अचल संपत्ति (संपत्तियां) जो सुरक्षित ऋणदाता के पास गिरवी/प्रभारित है, जिसका रचनात्मक/भौतिक कब्जा मेसर्स पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड/सुरक्षित ऋणदाता के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा (जैसा कॉलम संख्या-सी में वर्णित है) ले लिया गया है, नीचे उल्लिखित विवरण के अनुसार "जहां है जैसा है, जो है जैसा है और जो कुछ भी है के आधार पर" बेचा जाएगा। एतद्वारा उधारकर्ता(ओं)/बंधककर्ता(ओं)/कानूनी उत्तराधिकारियों, कानूनी प्रतिनिधियों (ज्ञात या अज्ञात), निष्पादकों, प्रशासकों, उत्तराधिकारियों, संबंधित उधारकर्ताओं/बंधककर्ता(ओं) के समनुदेशिती(ओं) (अब मृत) को नोटिस दिया जाता है, जैसा भी मामला हो, प्रतिभूति हित प्रवर्तन नियम, 2002 के नियम-8(6) और 9 के अंतर्गत कॉलम संख्या-ए में दर्शाया गया है, जिसे आज की तिथि तक संशोधित किया गया है। बिक्री के विस्तृत नियमों और शर्तों के लिए, कृपया मेसर्स पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड/सिक्योर्ड क्रेडिटर की वेबसाइट अर्थात www.pnbhousing.com पर दिए गए लिंक का संदर्भ लें।

ऋण सं. उधारकर्ता/सह-उधारकर्ता/गारंटर/कानूनी उत्तराधिकारी का नाम (ए)	मांग सूचना की तिथि और राशि (बी)	कब्जे का प्रकार (सी)	बंधक सम्पत्ति का विवरण (डी)	आरक्षित मूल्य (ई)	ईएमडी (आरपी का 10%) (एफ)	बोली जमा करने की अंतिम तिथि (जी)	बोली वृद्धि राशि (एच)	निरीक्षण की तिथि एवं समय (आई)	नीलामी की तिथि एवं समय (जे)	भार न्यायालयीन मामला यदि कोई हो (के)
HOU/TATA/0119/638657 राकेश शर्मा, रिया देवी, शाखाः टाटानगर	रु. 1281698.81 और 09.07.2021 तक	भौतिक कब्जा	भूमि का वह समस्त भाग एवं अंश जिसका क्षेत्रफल 3(तीन) कथास आर.एस. प्लॉट संख्या 601 का अधिक या कम हिस्सा उप-प्लॉट संख्या 601 (ई) के रूप में चिह्नित खाता संख्या 69 के अंतर्गत, ग्राम हेथु, थाना संख्या 298, थाना जगरनाथपुर, जिला रांची, झारखंड और निम्नलिखित रूप से परिबद्धः उत्तरः 12 चौड़ी प्रस्तावित सड़क, दक्षिणः प्लॉट सं. 598 का भाग, पूर्वः प्लॉट संख्या 598 का भाग, पश्चिमः प्लॉट सं. 601 का भाग	रु. 1541000/-	रु. 1,54,100/-	13.11.2025	रु. 10,000/-	05.11.2025 को पूर्वा. 10.00 बजे से अपरा. 05.30 तक	14.11.2025 को अपरा. 02.00 बजे से अपरा. 03.00 तक	ज्ञात नहीं
HOU/TATA/0519/692988 सुरेश कुमार, संजू जयसवाल, शाखाः टाटा नगर	रु. 1716245.45 और 13.08.2024 तक	भौतिक कब्जा	भूमि का वह समस्त भाग एवं अंश जिसका क्षेत्रफल लगभग 5 डेसिमल, और मौजा रकवा, हकियात, कायमी, रायती, दखल, खतियानी खास मौजा -केदल, थाना-सदर, थाना संख्या 165, जिला रांची, खाता संख्या-32 के अंतर्गत, आर एस. प्लॉट संख्या 107, उप प्लॉट संख्या 107 भाग, ग्राम केदल, जिला-उप निबंधन अधिकारी रांची	रु. 1983000/-	रु. 1,98,300/-	13.11.2025	रु. 10,000/-	05.11.2025 को पूर्वा. 10.00 बजे से अपरा. 05.30 तक	14.11.2025 को अपरा. 02.00 बजे से अपरा. 03.00 तक	ज्ञात नहीं

*साथ में 18% प्रति वर्ष की दर से अतिरिक्त ब्याज, भुगतान की तिथि और/या उसकी प्राप्ति तक होने वाले आकस्मिक व्यय, लागत, प्रभार आदि। **पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी के सर्वोत्तम ज्ञान और जानकारी के अनुसार, कॉलम संख्या-के में बताए गए को छोड़कर, ऊपर उल्लिखित अचल/सुरक्षित परिसंपत्तियों के संबंध में कोई अन्य भार/दावा नहीं है। इसके अलावा, ऐसे भारों का भुगतान सफल क्रेता/बोलीदाता द्वारा स्वयं किया जाना है। संभावित क्रेता/बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे स्वतंत्र रूप से उल्लिखित भारों की सत्यता का पता लगाएं। (1.) आज की तारीख तक, पीएनबीएचएफएल/पीएनबीएचएफएल के अधिकृत अधिकारी को उपरोक्त अचल संपत्तियों/सुरक्षित परिसंपत्तियों को बेचने, अलग करने और/या निपटाने से रोकने और/या अदालती निषेधाज्ञा देने का कोई आदेश नहीं है और स्थिति का उल्लेख कॉलम सं.-के में किया गया है। (2.) संभावित क्रेता/बोलीदाता और इच्छुक पक्ष स्वतंत्र रूप से कार्यवाही/पारित आदेश आदि में दलील का निरीक्षण कर सकते हैं, यदि कोई हो, कॉलम सं. के में उल्लिखित। इसमें पीएनबीएचएफएल के पास उपलब्ध संबंधित दस्तावेजों के शीर्षक शामिल हैं, लेकिन इन्हीं तक सीमित नहीं हैं और निविदा/बोली आवेदन पत्र जमा करने या प्रस्ताव(ओं) को प्रस्तुत करने से पहले सभी मामलों में स्वयं को संतुष्ट करना होगा। बोलीदाता(ओं) को बोली फॉर्म के साथ इस नीलामी के नियमों और शर्तों पर हस्ताक्षर करना होगा। (3.) कृपया ध्यान दें कि सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 9(3) के अनुसार, बोलीदाता/क्रेता कानूनी रूप से बिक्री मूल्य की राशि का 25% (बयाना राशि सहित) उसी दिन या अगले कार्य दिवस से पहले जमा करने के लिए बाध्य है। सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 9(2) के अनुसार सुरक्षित ऋणदाता द्वारा बिक्री मूल्य का 25% प्राप्त होने के बाद ही बोलीदाता के पक्ष में बिक्री की पुष्टि की जा सकती है। बिक्री प्रतिफल राशि का शेष 75% क्रेता द्वारा बिक्री पुष्टि पत्र की पावती की तिथि से 15 दिनों के भीतर जमा करना होगा और ऐसी जमा राशि के अभाव में, प्राधिकृत अधिकारी बिक्री पुष्टि पत्र में उल्लिखित 15 दिनों की अनिवार्य अवधि की समाप्ति की तिथि से 15 दिनों के भीतर बिक्री प्रतिफल राशि का आंशिक भुगतान जब्त कर लेगा और संपत्ति/सुरक्षित परिसंपत्ति को सरफासी अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार पुनः बेचा जाएगा। (4.) ई-नीलामी के माध्यम से मेसर्स सी1 इंडिया प्राइवेट लिमिटेड जिसका कॉर्पोरेट कार्यालय प्लॉट संख्या 68, तीसरी मंजिल, सेक्टर 44, गुड़गांव, हरियाणा 122003 वेबसाइट www.bankeauctions.com बिक्री करने में प्राधिकृत अधिकारी की सहायता करेगा, संपत्ति के निरीक्षण या बोली दस्तावेज प्राप्त करने और किसी अन्य पूछताछ या पंजीकरण के लिए संबंधित किसी भी सहायता के लिए, आपको प्रियांक सिन्हा, टोल फ्री नं. 1800 120 8800, ई-मेलः auction@pnbhousing.com, PNBHFL का अधिकृत व्यक्ति से सम्पर्क करना होगा। या www.pnbhousing.com देखें।

स्थानः टाटा नगर, दिनांकः 24.10.2025 — हस्ता/- प्राधिकृत अधिकारी, पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड

टीवीएस ने नॉर्टन सुपरबाइक के डिजाइन की झलक दिखाई

चेन्नई की टीवीएस मोटर कंपनी का हिस्सा बन चुकी ब्रिटेन की 123 साल पुरानी प्रतिष्ठित नॉर्टन मोटरसाइकल्स के नए कलेवर की यात्रा आज नए दौर में पहुंच गई। कंपनी ने अपनी इस बिल्कुल नई प्रमुख सुपरबाइक के पहले आधिकारिक डिजाइन का स्केच जारी किया। इसका विनिर्माण कंपनी के सोलिहुल मुख्यालय में किया जाएगा। नए डिजाइन में नॉर्टन के डिजाइन प्रमुख साइमन स्किनर और अनुभवी कार डिजाइनर गेरी मैकगवर्न का दिमाग लगा है। *बीएस*

सोशल मीडिया कंपनियों के लिए बढ़ेगी अनुपालन लागत!

आशिष आर्यन
नई दिल्ली, 23 अक्टूबर

सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) नियमों में सरकार द्वारा प्रस्तावित संशोधन से सोशल मीडिया के मध्यस्थों के लिए अनुपालन लागत का बोझ बढ़ा सकता है। उद्योग के अधिकारियों तथा नीति संबंधी विशेषज्ञों ने यह आशंका जताई है। इस प्रस्तावित संशोधन के तहत आर्टिफिशल इंटेलिजेंस से निर्मित सभी सामग्री के लिए लेबलिंग और डिस्क्लेमर अनिवार्य किया जाना है।

वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों के अनुसार नियमों में इस संशोधन का उद्देश्य हानिकारक और 'यथोचित रूप से प्रामाणिक' डीपफेक छवियों, ऑडियो और वीडियो के प्रसार को रोकना है। इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने कहा, 'बड़ी टेक कंपनियों के साथ हमारी कई बैठकें हुई हैं, जहां उन्होंने हमें आश्वासन दिया है कि उनके पास इस समस्या से निपटने के लिए तकनीकी जानकारी और आवश्यक उपकरण हैं। अगर कोई विशिष्ट समस्या है, तो हम परामर्श अवधि के दौरान उसके बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे।'

अलबत्ता विभिन्न सोशल मीडिया कंपनियों के अधिकारियों और नीति संबंधी विशेषज्ञों का कहना है कि केवल लेबल लगाने या एआई-सृजित ऐसी सामग्री में मेटाडेटा डालने से समस्या का समाधान होने के आसार नहीं है।

एक सोशल मीडिया कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'नियमों में दायित्व लिखना आसान है, लेकिन तकनीकी रूप से उन्हें लागू करना बहुत मुश्किल है। उन्हें दरकिनार करना भी बहुत आसान है। यहां तक कि कोई गैर-तकनीकी व्यक्ति भी सामग्री बनाने के कुछ ही मिनटों के भीतर ऐसा कर सकता है और बाद में वॉटरमार्क, लेबल या डिस्क्लेमर मिटा सकता है।'

एक अन्य सोशल मीडिया कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि एआई के डिस्क्लेमर या लेबल के लिए सरकार का आदेश, जो सामग्री के कम से कम 10 प्रतिशत क्षेत्र को कवर करता है, उपयोगकर्ता अनुभव में भारी हस्तक्षेप कर सकता है और अधिकांश प्लेटफॉर्म के लिए पेज-लोडिंग और लैंडिंग का समय बढ़ा सकता है।

कोलकाता संस्करण : बिज़नेस स्टैंडर्ड प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक जय हरगोविंददास सरैया द्वारा सरस्वती प्रिंट फैक्टरी प्राइवेट लिमिटेड, 789, चौभागा वेस्ट, पोस्ट ऑफिस-तिलजला, कोलकाता-700105, प. बंगाल से मुद्रित एवं बिजनेस स्टैंडर्ड प्राइवेट लिमिटेड, सी/ओ एपीजे बिजनेस सेंटर, 15 पार्क स्ट्रीट, एपीजे हाउस, ब्लॉक-सी, 8वां तक, कोलकाता 700016, प. बंगाल से प्रकाशित। संपादक : कैलाश नौटियाल आरएनआई नं. WBHIN/2008/24333 पाठक संपादक को lettershindi@bsmail.in पर संदेश भेज सकते हैं।

सबस्क्रिप्शन और सर्कुलेशन के लिए संपर्क करें... सुश्री मानसी सिंह हेड, कस्टमर रिलेशन्स बिजनेस स्टैंडर्ड प्राइवेट लिमिटेड, एच/4, बिल्डिंग एच, पैरागन सेंटर, बिड़ला सेंचुरियन के सामने, पी बी मार्ग, वर्ली, मुंबई-400013 ईमेल.. subs_bs@bsmail.in या 57575 पर एसएमएस करें REACHBS कोई हवाई अधिभार नहीं